विद्या भारती

संकुल संवाद

"सा विद्या या विमुक्तये"

फाल्गुन- चैत्र / विक्रम संवत 2083

विशेषांक

मार्च-अप्रैल 2026

विद्या भारती भवन लोकार्पण

"संस्कार, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण का केंद्र 'विद्या भारती भवन' का भव्य लोकार्पण"

विक्रम संवत 2083 की शुभकामनाएँ!

विद्या भारती के केंद्रीय कार्यालय का हुआ लोकार्पण

संस्कार, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण का केंद्र- 'विद्या भारती भवन' का भव्य लोकार्पण

'विद्या भारती भवन' का हवन एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ भव्य लोकार्पण

केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान और आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी श्री सुरेश सोनी की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यह उद्घाटन संपन्न

नई दिल्ली | विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के केंद्रीय कार्यालय 'विद्या भारती भवन' का आज दिनांक 2 अप्रैल 2026 को वैदिक विधि-विधान के साथ भव्य लोकार्पण सम्पन्न हुआ। यह अवसर भारतीय जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षा, संस्कार एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प को सशक्त रूप देने वाला ऐतिहासिक क्षण सिद्ध हुआ।

इस गरिमामय समारोह में भारत सरकार के केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री सुरेश सोनी जी, विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र कान्हेरे जी, पूज्या आनंदमूर्ति गुरु माँ (गन्नौर, हरियाणा), अखिल भारतीय महामंत्री श्री देशराज शर्मा जी, संगठन मंत्री श्री गोबिंद चंद्र महंत जी, सह संगठन मंत्री श्री यतींद्र जी एवं श्री रामअरावकर जी, उच्च शिक्षा के संगठन मंत्री श्री रघुनंदन जी सहित देशभर से आए प्रांतीय, क्षेत्रीय एवं अखिल भारतीय पदाधिकारी, प्रबंध समिति सदस्य, आचार्य एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

प्रातःकाल दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित नव-निर्मित केंद्रीय कार्यालय 'विद्या भारती भवन' का हवन एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ भव्य लोकार्पण संपन्न हुआ। तत्पश्चात बाल भवन में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं मुख्य मंचीय कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ।

विद्या भारती दिल्ली प्रांत के विद्यार्थियों ने शास्त्रीय नृत्य, भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति, समूहगान एवं लोकनृत्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं राष्ट्रभाव का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

प्रारंभिक स्वागत उद्बोधन में अखिल भारतीय महामंत्री श्री देशराज शर्मा जी ने अतिथियों का परिचय कराते हुए कहा कि विद्या भारती आज विश्व का एक विशाल शैक्षिक संगठन बन चुका है, वर्तमान में छात्र, पूर्व छात्र, आचार्य, पूर्व आचार्य एवं कार्यकर्ताओं का एक विशाल परिवार प्रतिदिन शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि व्यक्ति को अपनी जड़ों, संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ना है।

श्री देशराज शर्मा जी ने बताया कि वर्तमान में विद्या भारती देशभर में अनेक प्रकल्पों का संचालन कर रही है तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। साथ ही, संगठन द्वारा डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर एवं भविष्य में टीवी चैनल प्रारंभ करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति

मुख्य अतिथि श्री धर्मेंद्र प्रधान जी ने अपने उद्बोधन में विद्या भारती को शिक्षा, भाषा एवं कौशल विकास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण "रेफरेंस पॉइंट" बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा, बैगलेस डे, शिक्षक प्रशिक्षण एवं कौशल विकास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण "रेफरेंस पॉइंट" बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा, बैगलेस डे, शिक्षक प्रशिक्षण एवं कौशल विकास जैसे अनेक प्रावधान विद्या भारती के प्रयोगों से प्रेरित हैं।

पूज्या आनंदमूर्ति गुरु माँ ने अपने उदबोधन में विद्या भारती द्वारा दूरदराज, सीमांत एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा इसे राष्ट्र निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान बताया। पूज्या आनंदमूर्ति गुरु माँ ने आशा व्यक्त की कि नवीन केंद्रीय कार्यालय के माध्यम से संगठन अपने कार्यों को और अधिक गति प्रदान करेगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्री सुरेश सोनी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्या भारती को आज व्यापक सामाजिक स्वीकृति प्राप्त हो रही है, किंतु अभी भी शिक्षा के क्षेत्र में अनेक कार्य शेष हैं। उन्होंने शिक्षा में केवल भौतिक उन्होंने शिक्षा में केवल भौतिक संरचना नहीं, बल्कि भावनात्मक, मानवीय एवं संवेदनशील विकास पर बल देने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने कहा कि 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षा को मूल्याधारित, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पित एवं संवेदनशील बनाना आवश्यक है। वर्तमान में विद्या भारती का व्यापक शैक्षिक विस्तार हो चुका है। विद्या भारती आज देश के सबसे बड़े गैर-सरकारी शैक्षिक संगठनों में से एक है, जो 684 जिलों में संचालित 24,000 से अधिक औपचारिक विद्यालयों, 59 महाविद्यालयों एवं 2 विश्वविद्यालयों के माध्यम से कार्य कर रहा है। लगभग 33 लाख छात्र एवं 1.5 लाख आचार्य इस व्यवस्था से जुड़े हैं। इसके अतिरिक्त, सेवा बस्तियों, वनवासी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित 10,000 से अधिक एकल विद्यालयों एवं संस्कार केंद्रों के माध्यम से 2.5 लाख से अधिक विद्यार्थियों तक शिक्षा पहुंचाई जा रही है। 11 प्रांतों के 46 प्रांतीय समितियों के माध्यम से 28 से अधिक शैक्षिक प्रकल्प संचालित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य मातृभाषा आधारित, संस्कारयुक्त एवं राष्ट्रकेंद्रित शिक्षा प्रदान करना है।

इस अवसर पर 'विद्या भारती भवन' के निर्माण में योगदान देने वाले आर्किटेक्ट, इंजीनियर, कांट्रेक्टर एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम में विद्या भारती दिल्ली प्रांत की प्रबंध समिति के सदस्य, समस्त विद्यालय परिवार जिसमें अध्यक्ष, प्रधानाचार्य, आचार्य, पूर्व आचार्य, पूर्व छात्र, मातृ भारती एवं अभिभावक — बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सम्पूर्ण आयोजन राष्ट्रभक्ति, संस्कार और सेवा भाव से ओतप्रोत रहा।

अंत में विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र कान्हेरे जी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विद्या भारती दिल्ली प्रांत के सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा सभी पधारे अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भव्य लोकार्पण की झलकियां

विद्या भारती की वार्षिक साधारण सभा 2026

राष्ट्रीय बोध एवं आध्यात्मिकता के समन्वय से ही सशक्त राष्ट्र निर्माण संभव — डॉ. कृष्ण गोपाल जी

नई दिल्ली | विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की वार्षिक साधारण सभा 2026 का उद्घाटन सत्र 3 अप्रैल 2026 को दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती की वंदना के साथ संपन्न हुआ। इस सत्र में सह-सरकार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ डॉ. कृष्ण गोपाल जी का सन्निध्य विशेष रूप से प्राप्त हुआ। उनके साथ अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री रविंद्र कान्हेरे, महामंत्री श्री देशराज शर्मा, संगठन मंत्री श्री गोबिंद चंद्र महंत, कोषाध्यक्ष श्री रोहित वासवानी मंचासीन रहे।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. कृष्ण गोपाल जी ने कहा कि विद्याभारती एक सशक्त शैक्षिक संगठन के रूप में निरंतर अपनी भूमिका का विस्तार कर रही है, जिसकी आधार भूमि राष्ट्रबोध एवं आध्यात्मिक दृष्टि है। उन्होंने 'एकम् सत् विप्राबहुधा वदन्ति' के सिद्धांत को भारत की सांस्कृतिक शक्ति बताते हुए विविधता में एकता के भाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति समर्पण, आध्यात्मिक मूल्यों की स्थापना तथा जीवन के प्रति समग्र दृष्टिकोण विकसित करना है। विद्याभारती का कार्य इसी समन्वय को स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है।

डॉ. कृष्ण गोपाल जी ने शिक्षा के तीन प्रमुख आयामों — राष्ट्रबोध, आध्यात्मिक मूल तत्वों की समझ तथा मूल्यनिष्ठ विद्यार्थियों के निर्माण—पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती स्वार्थपरता एवं भोगवादी प्रवृत्तियों के कारण समाज में असहिष्णुता की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जिसका समाधान राष्ट्रवाद और आध्यात्मिकता के समन्वय में निहित है।

आधुनिक तकनीकी परिवेश का उल्लेख करते हुए उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के प्रभाव पर विचार रखते हुए कहा कि तकनीक उपयोगी है, परंतु यह मानवीय संवेदनाओं, सृजनशीलता और संस्कारों का स्थान नहीं ले सकती। अतः शिक्षा में मानवीय मूल्यों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को लौकिक शिक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिक दृष्टि प्रदान करना आवश्यक है, जिससे वह उद्देश्यपूर्ण एवं मूल्यनिष्ठ जीवन जी सके। डॉ. हेडगेवार के मूल विचारों का विस्तारित स्वरूप ही विद्या भारती का कार्य है, जो राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

जारी... 5

साधारण सभा की बैठक में "निष्काम कर्मयोगी: कृष्णचंद्र गांधी" पुस्तक का लोकार्पण डॉ. कृष्ण गोपाल जी, अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री रविंद्र कान्हारे, श्री देशराज शर्मा, श्री रोहित वासवानी, श्री अवनीश भटनागर जी, श्री हरवीर सिंह चाहर, एवम् बिहार के क्षेत्रीय मंत्री के कर कमलों से किया गया। यह पुस्तक ब्रज प्रदेश प्रकाशन मथुरा के निदेशक शिक्षाविद् डॉ.राम सेवक जी द्वारा लिखी गई है।

उद्घाटन सत्र में दिवंगत प्रेरणादायी व्यक्तित्वों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा आगामी वर्ष की योजनाओं के निर्माण हेतु चार दिवसीय चिंतन की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

इस सत्र में डॉ. मधु सावजी, साधना भंडारी जी, राजश्री वैद्य जी तथा अवनीश भटनागर जी के सान्निध्य में "सप्तशक्ति संगम" विषय पर आधारित स्मारिका का गरिमामय विमोचन भी संपन्न हुआ।

वार्षिक साधारण सभा 2026 का गरिमामय समापन

2030 तक हर जिले में विद्यालय, नशा मुक्ति अभियान व 'विद्या भारती टीवी' की घोषणा

नई दिल्ली | विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की वार्षिक साधारण सभा 2026 का समापन सत्र 6 अप्रैल 2026 को गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। चार दिवसीय इस राष्ट्रीय चिंतन बैठक में देशभर से आए विद्या भारती के 350 पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस सत्र में सह-सरकार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के डॉ. कृष्ण गोपाल जी का विशेष सान्निध्य रहा। समापन सत्र में अखिल भारतीय अध्यक्ष डॉ. रविंद्र कान्हेरे जी, महामंत्री श्री देशराज शर्मा, संगठन मंत्री श्री गोबिंद चंद्र महंत सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

चार दिनों तक चले विचार-मंथन में शिक्षा की गुणवत्ता, भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश, नई शिक्षा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन, तकनीकी युग में नवाचार तथा विद्यार्थियों में संस्कारों के संवर्धन जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई।

समापन सत्र में संगठन द्वारा आगामी वर्षों हेतु कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव एवं संकल्प लिए गए। वर्ष 2030 तक देश के प्रत्येक जिले में विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। समाज में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के विरुद्ध व्यापक जन-जागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 50 कौशल विकास केंद्रों की स्थापना हेतु पायलट प्रोजेक्ट प्रारंभ करने की घोषणा की गई। वर्ष 2027 में संगठन के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 'अमृत महोत्सव' के माध्यम से कार्यों के विस्तार एवं दृढ़ीकरण का संकल्प लिया गया।

आधुनिक तकनीकी परिवेश को ध्यान में रखते हुए शीघ्र ही डिजिटल शिक्षा से जुड़े नवाचार एवं प्लेटफॉर्म प्रारंभ किए जाएंगे। साथ ही, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रबोध से युक्त सामग्री के प्रसार हेतु 'विद्या भारती टीवी' प्रारंभ करने की घोषणा भी की गई।

समापन सत्र में यह भी स्पष्ट किया गया कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भारतीय दृष्टि पर आधारित शिक्षा की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ गई है तथा विद्या भारती इस दिशा में अपने प्रयासों को और अधिक सशक्त बनाएगी।

अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने राष्ट्र निर्माण के इस पुनीत कार्य में पूर्ण समर्पण के साथ योगदान देने का संकल्प लिया।

ए ब्लॉक 'बी' का शिलान्यास, शिक्षा विस्तार को मिली गति

विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिंद चन्द्र महंत ने किया भारतीय विद्या मंदिर, मांडली के नए ब्लॉक का शिलान्यास

बिलावर (कठुआ): भारतीय शिक्षा समिति, जम्मू-कश्मीर द्वारा संचालित भारतीय विद्या मंदिर उच्च विद्यालय, मांडली में आयोजित समारोह में विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिंद चन्द्र महंत ने विद्यालय के नए 'ब्लॉक-बी' का विधि-विधान से भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के सह-संगठन मंत्री श्री बाल किशन जी, आरएसएस जम्मू-कश्मीर के प्रांत प्रचारक श्री मुकेश कुमार, प्रांत उपाध्यक्ष श्री विजय कुमार, महामंत्री डॉ. नरेश कुमार एवं कोषाध्यक्ष श्री प्यारे लाल पंडित सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

अतिथियों ने नए भवन को क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। समारोह में विद्यालय प्रबंध समिति, आचार्यगण एवं स्थानीय नागरिकों ने भी सहभागिता कर प्रसन्नता व्यक्त की।

गुवाहाटी विश्वविद्यालय में NEP 2020 पर कार्यशाला

गुवाहाटी, 17 मार्च 2026: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर गुवाहाटी विश्वविद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में स्वदेशी ज्ञान परंपरा और आधुनिक प्रौद्योगिकी के समन्वय पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम में श्री के. एन. रघुनंदन, प्रो. परिमल भट्टाचार्य एवं कुलपति प्रो. ननी गोपाल महंता सहित कई शिक्षाविदों ने शिक्षा के सर्वांगीण विकास, उद्योग-शिक्षा सहयोग एवं परिणाम आधारित शिक्षण पर विचार रखे।

कार्यशाला में शिक्षाविदों एवं नीति-निर्माताओं ने सहभागिता की और कार्यक्रम का समापन भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा के साथ हुआ।

विद्या भारती और रिलायंस जियो का महासंगम

"विद्या भारती के राष्ट्रव्यापी शैक्षिक विस्तार को मिलेगी नई गति; रिलायंस जियो के साथ तकनीकी उन्नयन और कनेक्टिविटी पर हुई सार्थक चर्चा"

नवी मुंबई | विद्या भारती के राष्ट्रव्यापी शैक्षिक विस्तार को और अधिक सशक्त एवं आधुनिक बनाने की दिशा में नवी मुंबई स्थित रिलायंस जियो(Reliance-Jio) कंपनी के मुख्य कार्यालय में अधिकारियों के साथ हुई सार्थक चर्चा में शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी उन्नयन को लेकर निम्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र कान्हेरे, महामंत्री श्री देशराज शर्मा, संगठनमंत्री श्री गोबिंद चंद्र महंत और सोशल मीडिया संयोजक श्री आलोक तिवारी सहित रिलायंस जियो के वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

देशभर के सभी विद्या भारती विद्यालयों में सुदृढ़ एवं निर्बाध इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना।

सभी विद्यालयों में एकीकृत ERP सिस्टम लागू करना, जिससे समस्त शैक्षणिक एवं प्रशासनिक डेटा सीधे दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय से जुड़ सके। प्रत्येक विद्यालय को “स्मार्ट स्कूल” के रूप में विकसित करना।

विद्या भारती का अपना 24×7 शैक्षणिक टीवी चैनल प्रारंभ करना, जिसके माध्यम से देशभर में निरंतर ज्ञानवर्धक एवं संस्कारयुक्त शिक्षा का प्रसार हो।

यह पहल शिक्षा के डिजिटलीकरण को गति देगी, भारत के भावी नागरिकों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

योगी आदित्यनाथ ने बालिका विद्यालय का किया अवलोकन

जालोर | उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने आदर्श विद्या मंदिर, जालोर में स्थित श्री शान्तिनाथ बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का अवलोकन किया। वे सिरे मंदिर धाम में श्री रत्नेश्वर महादेव मंदिर के 375 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जालोर आए थे। इस दौरान महंत एवं विधायक श्री बालकनाथ जी महाराज तथा केंद्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अतिथियों का विद्यालय परिवार द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने विद्या भारती की शिक्षा पद्धति की सराहना करते हुए संस्कारित एवं भारतीय संस्कृति आधारित शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में नव संवत्सर पंचांग का विमोचन भी किया गया।

नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नेहरू नगर | "ऑपरेशन प्रहार" के तहत दुर्गावती हेमराज टाह सरस्वती विद्या मंदिर में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस के मार्गदर्शन में लगभग 1400 विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नशा न करने का संकल्प लिया तथा स्वस्थ और सुरक्षित समाज के निर्माण का संदेश दिया।

भारतीय शिक्षा दृष्टि 2020

देश की संस्कृति, प्रकृति, प्रगति और परिवर्तन का आधार है भारतीय शिक्षा दृष्टि : देशराज

जालंधर | विद्या भारती के राष्ट्रीय महामंत्री श्री देशराज शर्मा ने कहा कि भारतीय शिक्षा दृष्टि देश की संस्कृति, प्रकृति, प्रगति और परिवर्तन का आधार है। उन्होंने बताया कि यह दृष्टि मैकाले मानसिकता से बाहर निकालकर ज्ञान, कौशल, संस्कार और आत्मनिर्भरता का संतुलित विकास करती है तथा पंचकोष आधारित समग्र शिक्षा प्रदान करती है।

श्री देशराज शर्मा ने कहा कि यह शिक्षा पद्धति केवल ज्ञानार्जन तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाती है और नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप कौशल व मूल्य आधारित विकास पर बल देती है। विद्या भारती देशभर में लगभग 24,000 विद्यालयों के माध्यम से संस्कारनिष्ठ शिक्षा प्रदान कर रही है। उन्होंने 2030 तक प्रत्येक जिले में विद्यालय, महिलाओं के लिए 50 कौशल विकास केंद्र और 'विद्या भारती टीवी' जैसे माध्यमों के विस्तार का लक्ष्य भी बताया। कार्यक्रम में मातृभाषा के प्रति स्वाभिमान और समाज के प्रति दायित्व बोध को शिक्षा का मूल उद्देश्य बताया गया।

गीता कन्या विद्यालय में विद्या भारती के संगठन मंत्री का प्रवास

हरियाणा | अमीन मार्ग स्थित गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विद्या भारती हरियाणा एवं हिंदू शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में विशेष प्रवास कार्यक्रम में विद्या भारती के संगठन मंत्री श्री गोबिंद चंद्र महंत मुख्य अतिथि तथा हिंदू शिक्षा समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री चेतराम शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विद्यालय की सचित्र संकलन पुस्तिका, विवरणिका और वार्षिक योजना का विमोचन किया गया। छात्राओं को संबोधित करते हुए श्री महंत ने कहा कि ज्ञानेंद्रियों और कर्मेंद्रियों के सामंजस्य से ही जीवन में सफलता मिलती है। इस दौरान शिक्षकों के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, पंचपदी शिक्षण पद्धति और अनुभवात्मक शिक्षण जैसे विषयों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने पौधारोपण किया तथा विद्यालय परिसर का अवलोकन किया।

विद्या भारती सिक्किम का रजत जयंती समारोह

सिक्किम | 27 मार्च 2026 को विद्या भारती सिक्किम प्रान्त का रजत जयंती वर्ष समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमा के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक श्री सोनम छिरिङ वेनचोंगपा मुख्य अतिथि तथा संगठन मंत्री श्री गोबिंद चंद्र महंत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में सिक्किम के सभी 6 जिलों सहित दार्जिलिंग एवं कालिम्पोंग क्षेत्रों से जुड़े विद्यालयों, संस्कार केंद्रों के विद्यार्थी, आचार्यगण, अभिभावक एवं समाज के विभिन्न वर्गों के 450 से अधिक लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम का समयबद्ध संचालन अनुशासन का प्रतीक रहा। बिजनबाड़ी (दार्जिलिंग) के विद्या ज्योति अकादमी के ब्रास बैंड एवं विभिन्न विद्यालयों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को आकर्षक बनाया।

यह आयोजन विद्या भारती सिक्किम प्रान्त के इतिहास में एक गौरवपूर्ण एवं यादगार क्षण साबित हुआ। आयोजकों ने सभी अतिथियों, सहयोगियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अखिल भारतीय विद्वत् परिषद् बैठक

जयपुर | विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की अखिल भारतीय विद्वत् परिषद् बैठक 21–22 मार्च 2026 को जयपुर में आयोजित हुई। इस क्रम में सरस्वती बालिका उच्च माध्यमिक विद्या मंदिर, जवाहर नगर में “राष्ट्रीय प्रबुद्धजन संगोष्ठी” का आयोजन हुआ।

संगोष्ठी का विषय “वन्दे मातरम् की सार्द्धशती एवं विद्वत् शक्ति की भूमिका” रहा। कार्यक्रम में अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री रविंद्र कान्हारे एवं सह संगठन मंत्री श्री अवनीश भटनागर का सान्निध्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर शिक्षा, समाज एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श किया गया।

राज्यपाल से विद्या भारती प्रतिनिधिमंडल की शिष्टाचार भेंट

गंगटोक | विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के संगठन मंत्री श्री गोविंद चन्द्र महन्त ने सिक्किम के राज्यपाल श्री ओम प्रकाश माथुर से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर महन्त जी ने राज्यपाल का स्वागत एवं अभिनंदन किया। भेंट के दौरान संगठनात्मक विषयों पर सार्थक चर्चा हुई तथा राज्यपाल ने विद्या भारती सिक्किम के कार्यों की जानकारी प्राप्त कर रजत जयंती समारोह के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर पूर्व सह-संगठन मंत्री श्री पार्थ घोष सहित प्रांत के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

हैदराबाद में विद्या भारती प्रांत कार्यालय का उद्घाटन

हैदराबाद | विद्या भारती के प्रांत कार्यालय का उद्घाटन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अखिल भारतीय महामंत्री श्री देशराज शर्मा ने कहा कि विद्या भारती देशभर में शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणादायक कार्य कर रही है और भारतीय संस्कृति व परंपराओं के साथ शिक्षा प्रदान कर रही है। दक्षिण मध्य क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री लिंगम सुधाकर रेड्डी ने कहा कि नवनिर्मित भवन तेलंगाना के शिशु मंदिरों के लिए प्रेरणा केंद्र बनेगा। कार्यक्रम में दाताओं का सम्मान किया गया तथा वरिष्ठ पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

हाफलोंग में सरस्वती विद्या मंदिर के नए भवन का उद्घाटन

हाफलोंग | असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण आचार्य ने दीमा हसाओ जिले के सरस्वती विद्या मंदिर हाई स्कूल के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जिम्मेदार नागरिक निर्माण और सशक्त राष्ट्र के लिए मूल्य आधारित शिक्षा आवश्यक है। कार्यक्रम में मंत्री श्रीमती नंदिता गोरलोसा, एनईसी सदस्य श्री लोंगकी फांगचो एवं विद्या भारती के पदाधिकारी सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

हैदराबाद में पूर्व विद्यार्थी सम्मेलन

हैदराबाद | श्री सरस्वती शिशु मंदिर, सरस्वती नगर का पूर्व विद्यार्थी सम्मेलन उत्साहपूर्वक आयोजित हुआ, जिसमें विभिन्न बैचों के पूर्व छात्र एवं पूर्व आचार्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। मुख्य वक्ता श्री लिंगम सुधाकर रेड्डी ने समाज एवं राष्ट्र निर्माण में पूर्व छात्रों की सक्रिय भूमिका पर बल दिया।

श्री पतकमुरी श्रीनिवास राव ने “पंच परिवर्तन” अपनाने का आह्वान किया, जबकि डॉ. तिरुपति राव ने संस्कारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की आवश्यकता बताई। सम्मेलन में 1,941 पंजीकरण में से 1,521 पूर्व छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 50 पूर्व आचार्य एवं 100 से अधिक शुभचिंतक भी शामिल हुए। योगचाप एवं घोष की प्रस्तुतियाँ आकर्षण का केंद्र रहीं।

सरस्वती शिशु मंदिर में 'दादा-दादी सम्मान समारोह'

मुजफ्फरनगर | सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज, केशवपुरी में 'दादा-दादी एवं नाना-नानी सम्मान समारोह' भावपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि संभाग निरीक्षक श्री जगवीर शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

वक्ताओं ने बुजुर्गों को संस्कारों की आधारशिला बताते हुए उनके महत्व पर प्रकाश डाला।

बच्चों ने तिलक, माल्यार्पण एवं पटका पहनाकर अपने बुजुर्गों का सम्मान किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

अखिल भारतीय विद्वत् परिषद् बैठक

मथुरा | उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल ने दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में 'निष्काम कर्मयोगी : कृष्णचंद्र गांधी' ग्रंथ का लोकार्पण किया। पुस्तक के लेखक डॉ. राम सेवक हैं।

यह ग्रंथ सरस्वती शिशु मंदिर योजना के संस्थापक कृष्णचंद्र गांधी के शैक्षिक चिंतन एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को समर्पित है। कार्यक्रम में विद्या भारती के पदाधिकारियों ने संगठन की गतिविधियों एवं संरचना पर प्रकाश डाला।

"समुत्कर्ष" निःशुल्क कोचिंग संस्थान का शुभारम्भ

भोपाल | विद्या भारती मध्यभारत प्रांत के मार्गदर्शन एवं भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संचालित पूर्व छात्र प्रकल्प "समुत्कर्ष" के द्वितीय सत्र का शुभारम्भ प्रज्ञादीप, हर्षवर्धन नगर में गरिमामय वातावरण में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल रहे, जबकि अध्यक्षता डॉ. रविन्द्र कान्हेरे ने की। इस अवसर पर अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

अतिथियों ने विद्यार्थियों को UPSC, MPPSC, SSC, बैंकिंग एवं रेलवे जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु अनुशासन, परिश्रम और राष्ट्रसेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकल्प युवाओं को मार्गदर्शन देकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते हैं।

अखिल भारतीय साधारण सभा हेतु योजना बैठक

नई दिल्ली | महाशय चुन्नीलाल सरस्वती बाल मंदिर, हरिनगर में 20 मार्च 2026 को अखिल भारतीय साधारण सभा की तैयारियों को लेकर विस्तृत योजना बैठक आयोजित की गई। यह बैठक 3-6 अप्रैल तक होने वाली सभा के सुव्यवस्थित संचालन के उद्देश्य से हुई। बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। लगभग तीन घंटे चले विचार-मंथन में विभिन्न विभागों की भूमिका एवं कार्य-योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी संयोजकों ने अपने दायित्वों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर संगठन मंत्री श्री गोबिंद चंद्र महंत, महामंत्री श्री देशराज शर्मा सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का समापन कल्याण मंत्र के साथ हुआ।

सुन्दरकाण्ड व हवन के साथ नए सत्र का शुभारंभ

विद्या भारती के विद्यालयों में सुन्दरकाण्ड व हवन के साथ नए सत्र का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में आचार्यगण एवं छात्र-छात्राओं ने मंत्रोच्चार के साथ सरस्वती पूजन में भाग लिया। साथ ही नवप्रवेशी विद्यार्थियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया।

विद्यापीठ शिवपुरी में प्रांतीय प्राचार्य योजना बैठक

शिवपुरी | उद्घाटन सत्र में मंच पर मुख्य अतिथि श्री भालचंद्र रावले, श्री मोहनलाल गुप्ता, श्री बनवारीलाल सक्सेना, श्री निखिलेश महेश्वरी, एवं डॉ. रामकुमार भावसार की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक में गत वर्ष की समीक्षा, उपलब्धियों का विश्लेषण एवं आगामी सत्र 2026-27 की कार्ययोजना पर गहन मंथन किया गया । मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में आचार्य की भूमिका को केवल शिक्षण तक सीमित न रखते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं राष्ट्रोत्थान हेतु समर्पित पीढ़ी निर्माण पर बल दिया।

इस अवसर पर सह प्रांत प्रमुख श्री दीपक चंदेवा द्वारा प्रांत की वार्षिक कार्यवृत्त पुस्तिका का विमोचन कराया गया, जिसमें वर्षभर की गतिविधियों का विश्लेषण एवं भविष्य के लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। यह बैठक शिक्षा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

क्रिकेट के मैदान पर उभरता सितारा: शांतनु सिंह

मुरादनगर (गाजियाबाद) | लीलावती रामगोपाल सरस्वती विद्या मंदिर के कक्षा 12 के छात्र शांतनु सिंह को बीसीसीआई नमन् अवॉर्ड्स 2026 (नई दिल्ली) में अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में सर्वाधिक रन बनाने पर प्रतिष्ठित जगमोहन डालमिया ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

उन्होंने उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व अंडर-14, अंडर-16 एवं अंडर-19 श्रेणियों में किया है। उनकी इस उपलब्धि में परिवार और विद्यालय के मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विद्या भारती परिवार ने उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी हैं।

दीनानाथ बत्रा जयंती पर ₹5 करोड़ का छात्रवृत्ति कोष समर्पित

कुरुक्षेत्र | दीनानाथ बत्रा की जयंती पर श्रीमद्भगवद्गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित समारोह में पूर्व छात्रों ने ₹5 करोड़ का कॉरपस फंड समर्पित किया। इस निधि से आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में डॉ. अतुल कोठारी, श्री देशराज शर्मा और श्री विजय नड्डा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर बत्रा जी के जीवन पर आधारित पुस्तकों का विमोचन और डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन भी किया गया।

उपलब्धियां

UPSC (CSE-2025) में विद्या भारती के 22 पूर्व छात्रों का चयन सभी को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

01.	Simrandeep Kaur	Dayanand Public School, Pandusar, Nabha, Punjab	AIR 15
02.	Monika Srivastava	Saraswati Shishu Mandir, Aurangabad, Bihar	AIR 16
03.	Ishita Sharma	Saraswati Shishu Mandir, Raptinagar, Gorakhpur, UP	AIR 26
04.	Rupal Jaiswal	Saraswati Shishu Mandir, Kalyaganj, Khandwa, MP	AIR 43
05.	Anuj Pant	Saraswati Vidya Mandir, Rajnagar, Ghaziabad, UP	AIR 69
06.	Pankaj Soni	Adarsh Vidya Mandir, Jaitaran, Pali, Rajasthan	AIR 130
07.	Pawan Kumar Pandey	Saraswati Shishu Mandir, Pakkibagh Gorakhpur, UP	AIR 138
08.	Ravi Shekhar Singh	Saraswati Shishu Mandir, Maldepur, Ballia, UP	AIR 176
09.	Pranjal Rai	Saraswati Vidya Mandir, Makrand Nagar, Kannauj, UP	AIR 250
10.	Ishita Sharma	Gita Vidya Mandir, Gohana, Sonipat, Haryana	AIR 268
11.	Sai Raman Patra	Saraswati Shishu Vidya Mandir, Ranapur, Odisa	AIR 285
12.	Anil Mishra	Saraswati Vidya Mandir, Deoria Khas, Deoria, UP	AIR 445
13.	Vivek Yadav	Saraswati Shishu Mandir, Chanderi, Ashok Nagar, Madhya Pradesh	AIR 487
14.	Diamond Singh Dhruw	Saraswati Shishu Mandir, Magarlod, Dhamtari, Chhattisgarh	AIR 623
15.	Ranjana Singh Sengar	Saraswati Vidya Mandir, Khaga, Fatehpur, UP	AIR 629
16.	Dr. Suraj Patel	Saraswati Shishu Mandir, Tetri Bajar, Siddharth Nagar, UP	AIR 673
17.	Deepika Pandey	Saraswati Shishu Vidya Mandir, Suyalwari, Nainital, Uttrakhand	AIR 686
18.	Dr. Kavya Krishnan	Sree Saraswathy Bidyalayam, Thiruvananthapuram, Kerala	AIR 749
19.	Ankush Patidar	Saraswati Shishu Mandir, Shyamgarh, Mandsaur, MP	AIR 780
20.	Ankit Sakni	Saraswati Shishu Mandir, Bhairamgarh, Bijapur, Chhattisgarh	AIR 816
21.	Abhishek Yadav	Saraswati Vidya Mandir, VIP Road, Fatehpur, UP	AIR 835
22.	Vikas Meena	Aadarsh Vidya Mandir, Gari, Sawai ram, Alwar, Rajasthan	AIR 857

राष्ट्रीय तैराकी में स्वर्ण पदक विजेता अमन ठाकुर

जावर (मध्य प्रदेश): सरस्वती शिशु मंदिर जावर के पूर्व छात्र अमन ठाकुर ने जम्मू-कश्मीर में आयोजित राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। राष्ट्रीय तैराकी में स्वर्ण पदक विजेता अमन ठाकुर को मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया सम्मानित।

सुहानी रानी को भारत सरकार से मिला विज्ञान पुरस्कार

बोकारो (बालीडीह) | भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय (DST) द्वारा संचालित प्रतिष्ठित योजना के अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर, शिवपुरी (बालीडीह) का चयन किया गया है। विद्यालय की कक्षा दशम की मेधावी छात्रा सुहानी रानी ने अपनी प्रतिभा के बल पर ₹10,000 का नकद पुरस्कार जीतकर विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया है।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन -जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर, महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली - 110065

www.vidyabharti.net I www.vidyabharatisamvad.com

Email : vbabss@yahoo.com I vbsamvad@gmail.com

Contact Us : 91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126

@VidyaBharatiIN